



Oasis the Career Catalyst Society (Regd.) Tohana Ph: - 9541952272

GRAMIN P.G. COLLEGE OF EDUCATION

Affiliated to CDLU, Sirsa, BSEH & Recognized by NCTE Delhi & SCERT Gurugram

V.P.O. Jamalpur Sheikhan, Tohana-125120, Distt. Fatehabad (Haryana)

www.gramincollege.org, Email:-info@oasisgc.org

Ref. No. GCE/2020-95

Dated 10.06.2020

To

Dr. Rani Dubey
Head, Deptt. of Education
Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalaya (A Central University)
Sagar, M.P.

Subject: Thanks Letter.

Respected Madam,

I would like to take this opportunity to thank you for inspiring speech: (Impact of COVID-19 on Education (Challenges & Opportunities) you gave us on dated 10.06.2020 webinar it was obvious that you extremely knowledgeable in your field and can link this knowledge up to a great presenting style. The whole webinar was a success people particularly liked your speech where you mentioned the need for digital education, you realized all participants about our duty and responsibilities being a human being during this COVID-19 pandemic the way in which you explained was extraordinary participants. It is people like you who freely give up their own spare time, who ensure that the next generation is better informed.

We appreciate you making time to speak to webinar.

Thanking You

Yours Sincerely

10/06/2020
Principal
Gramin P.G. College of Education
Jamalpur Sheikhan

टोहाना मेलwww.facebook.com/टोहाना मेल

ग्रामीण कॉलेज में राष्ट्र स्तरीय वैबीनार आयोजित

कोरोना काल में जीवन व शिक्षा पर पड़े प्रभाव पर शिक्षाविदों ने की चर्चा

टोहाना मेल। टोहाना: स्थानीय ग्रामीण कॉलेज में 'कोविड-19' का शिक्षा पर प्रभाव, चुनौतिया व अवसर' विषय पर राष्ट्रीय स्तरीय वैबीनार का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए कॉलेज प्रवक्ता रोहताश डांगरा ने बताया कि इस वैबीनार में देश भर से 500 शिक्षाविदों ने भाग लिया। इस वैबीनार के संयोजक व कॉलेज प्राचार्य डा. देव प्रकाश एवं कमलेश गर्ग ने सभी शिक्षाविदों व प्रतिभागियों का अभिवादन किया। सुबह के सत्र के मुख्यवक्ता डॉ हरि सिंह गौड

विश्वविद्यालय सागर मध्यप्रदेश की शिक्षा विभाग प्रमुख डा. रानी दूबे तथा सांय कालीन सत्र में मुख्यवक्ता जयपुर के ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रमोद राघव रहे। दोनों ही सत्रों में वक्ताओं ने कोविड 19 के पूरे मानव जीवन को प्रभाव पर बारिकी से वर्णन किया। डॉ रानी दूबे ने बताया कि कोविड 19 के कारण शिक्षा व शिक्षण संस्थान भी प्रभावित हुए हैं, लेकिन जीवन में जब भी कोई चुनौती आती है तो वह एक आगे बढ़ने का अवसर भी

प्रदान करती है हमारे देश में अबतक जो परंपरागत शिक्षा दी जाती थी अब कोविड 19 के कारण लोगो को ऑनलाईन शिक्षा का महत्व समझ आने लगा है। प्रो. प्रमोद राघव ने बताया कि जो ग्रामीण परिवेश में गरीब व जरूरतमंद लोग रहते हैं, उनकी शिक्षा में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। इसके लिए हमें गैर सहकारी संस्थाओं व लोकल ससंधानों का इस्तेमाल करना चाहिए हमें ऐसे लोगों का डिजिटल साक्षरता की ओर जागरूक करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में कमलेश गर्ग ने दोनों वक्ताओं के साथ-साथ महाविद्यालय की प्रबन्धक कमेटी व सलाहाकर समिति सहित सभी प्रतिभागियों का का आभार प्रकट किया।